दाऊद के साथ परमेश्वर की वाचा

''प्रभु इस्राएल का परमेश्वर धन्य हो, कि उस ने अपने लोगों पर दृष्टि की और उन का छुटकारा किया है। और अपने सेवक दाऊद के घराने में हमारे लिए एक उद्धार का सींग निकाला ... कि हमारे बाप-दादों पर दया करके अपनी पवित्र वाचा का स्मरण करे ... '' (लूका 1:68-75)।

परमेश्वर ने दाऊद के साथ वाचा बांधी जिसमें यीशु द्वारा पूरा किया जाने वाला वायदा था। अपनी मृत्यु के निकट, दाऊद ने कहा कि परमेश्वर ने उसके साथ यह वाचा बांधी थी (2 शमूएल 23:5)। यहूदा देश के पतन के समय के वर्णन 2 इतिहास 21:7 में भी इसका उल्लेख हुआ है। वाचा से सम्बन्धित परमेश्वर के कथनों को दाऊद ने भजन 89 में लिखा था:

''मैं ने अपने चुने हुए से वाचा बान्धी है,
मैं ने अपने दास दाऊद से शपथ खाई है,
कि मैं तेरे वंश को सदा स्थिर रखूंगा;
और तेरी राज गद्दी को पीढ़ी से पीढ़ी तक बनाए रखूंगा''
(आयतें 3, 4)।

''मैं अपनी करुणा उस पर सदा बनाए रहूंगा,
और मेरी वाचा उसके लिए अटल रहेगी।
मैं उसके वंश को सदा बनाए रखूंगा,
और उसकी राजगद्दी स्वर्ग के समान सर्वदा बनी रहेगी'' (आयतें 28, 29)।

''मैं अपनी वाचा न तोडूंगा,
और जो मेरे मुंह से निकल चुका है, उसे न बदलूंगा।
एक बार मैं अपनी पवित्रता की शपथ खा चुका हूं;
मैं दाऊद को कभी धोखा न दूंगा।
उसका वंश सर्वदा रहेगा,

और उसकी राजगद्दी सूर्य की नाईं मेरे सम्मुख ठहरी रहेगी''
(पद 34-36)।

नातान ने दाऊद को उसके राज्य के सदा तक रहने का आश्वासन दिया था (2 शमूएल 7:13, 16)। मीका ने भविष्यवाणी की थी कि वह राजा बैतलहम से निकलेगा (मीका 5:2)। दानिय्येल ने भी एक दर्शन में अति प्राचीन के पास ऊपर जाते हुए और उस से अनन्त राज्य लेते हुए मनुष्य के पुत्र को देखा था (दानिय्येल 7:13, 14)। दाऊद के सिंहासन पर बैठने वाले राजा के विषय में यशायाह ने भी कहा था (यशायाह 9:6, 7)।

ये भविष्यवाणियां यीशु में पूरी हुईं, जो दाऊद का वंश और यहूदा के गोत्र से था। अपने पुत्रों को आशीष देते हुए, याकूब ने भविष्यवाणी की थी कि यहूदा से राजदण्ड न छूटेगा (उत्पत्ति 49:10)। दाऊद से सम्बन्धित अन्य भविष्यवाणियों में संकेत दिया गया है कि उसकी संतान में से एक राजा उठेगा जो परमेश्वर के लोगों पर राज्य करेगा,[1] बिल्कुल वैसे ही जैसे दाऊद ने उन पर किया था।

जिबराइल स्वर्गदूत ने मरियम को यीशु के बारे में बताते हुए इन भविष्यवाणियों को यीशु के साथ जोड़ा: ''वह महान होगा; और परम प्रधान का पुत्र कहलाएगा; और प्रभु परमेश्वर उसके पिता दाऊद का सिंहासन उसको देगा। और वह याकूब के घराने पर सदा राज्य करेगा; और उसके राज्य का अन्त न होगा'' (लूका 1:32, 33)।

ये सब भविष्यवाणियां उस समय पूरी हुईं जब यीशु स्वर्ग में जाकर पिता के दाहिने हाथ बैठ गया और सब वस्तुएं उसके अधीन कर दी गईं।[2] तभी, यीशु को स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार दे दिया गया था (मत्ती 28:18)। जिनके पाप क्षमा हो जाते हैं उन्हें अन्धेरे और शैतान की शक्ति में से निकालकर यीशु के राज्य में प्रवेश करवाया जाता है (प्रेरितों 2:38; 26:18; कुलुस्सियों 1:13)।

यीशु ही ख्रिस्तुस अर्थात मसीह है (यूहन्ना 1:41; प्रेरितों 2:36)। वह अब राज्य करता है, इसलिए उसकी मानना आवश्यक है, वरना हमारा नाश हो जाएगा (प्रेरितों 3:23)।

जो वाचा परमेश्वर ने दाऊद के साथ बांधी थी वह यीशु में पूरी हो गई है। इस वाचा को पूरा करने के लिए, परमेश्वर ने राजा अर्थात यीशु को दाऊद के सिंहासन पर बिठाने और परमेश्वर के लोगों पर शासन करने के लिए भेजा था। यीशु को भेजकर, परमेश्वर ने दाऊद के साथ बांधी अपनी वाचा पूरी कर दी थी।

पाद टिप्पणियां

[1]देखिए यिर्मयाह 23:5; 30:9; 33:15; यहेजकेल 34:23, 24; 37:24, 25; होशे 3:5; जकर्याह 12:10. [2]देखिए मरकुस 16:19; प्रेरितों 2:34, 35; 1 कुरिन्थियों 15:27; इफिसियों 1:19-23; 1 पतरस 3:22.